विश्व पर्यटन दिवस पर पर्यटकों का स्वागत

बीकानेर । विश्व पर्यटन दिववस के अवसर पर शनिवार को गंगा राजकीय संग्रहालय में 'हमारी विरासत हमारा गौरव' विषयक प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। संग्रहालय प्रभारी राकेश शर्मा ने बताया कि संग्रहालय में आने वाले पर्यटकों का तिलक लगाकर एवं माला पहनाई। पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में लोक कलाकारों द्वारा नृत्य एवं गायन के साथ पर्यटकों का स्वागत किया गया। प्रदर्शनी में बीकानेर संभाग के समस्त संरक्षित स्मारकों के छायाचित्र एवं उनके इतिहास के बारे में पर्यटकों ने जानकारी प्राप्त की। शर्मा ने बताया कि बीकानेर संभाग के संरक्षित स्मारकों की वास्तु एवं शिल्पकला के बारे में आगुन्तक दर्शकों को जानकारी दी गई। इतिहास की छात्रा दिव्य ज्योति हर्ष ने स्मारकों के बारे में जानकारी ली और इसे अनुकरणीय बताया।प्रदर्शनी में एक ही स्थान पर सभी स्मारकों की जानकारी प्राप्त होना युवाओं के लिए शिक्षाप्रद रहा। शर्मा ने बताया कि लगभग 500 पर्यटकों ने प्रदर्शनी को देखा और संग्रहालय का नि:शुल्क भ्रमण किया। इस अवसर पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक अनिल राठौड, सहायक निदेशक महेश कुमार व्यास, शंकर दत्त हर्ष, मनोहरसिंह, श्रीमती सुमन एवं राखी मोहता इत्यादि उपस्थित रहे।

2.40 करोड़ रुपए की लागत से दृष्टिबाधित छात्राओं के लिए बनेगा छात्रावास

- दृष्टिबाधित छात्राओं बनने वाले छात्रावास का विधायक सिद्धि कुमारी एव विधायक जेठानंद व्यास ने शिलान्यास किया

बीकानेर, । राजकीय नेत्रहीन छात्रावासित उच्च माध्यमिक विद्यालय पटेल नगर में दृष्टिबाधित छात्राओं के लिए बनने वाले प्रदेश के पहले छात्रावास के नए भवन का शिलान्यास एवं भूमि पूजन कार्यक्रम शनिवार को आयोजित हुआ। श्रीमती सीएम मूंधड़ा फाउंडेशन मुंबई द्वारा 2 करोड़ 40 लाख रुपए की लागत से यह भवन बनाया जाएगा। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े और भामाशाह मूंधड़ा परिवार तथा प्रेरक द्वारका प्रसाद पचीसिया का इस सहयोग के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि बीकानेर भामाशाहों की नगरी है और यहां के भामाशाह शिक्षाए चिकित्सा सहित आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए सहयोग करने से कभी पीछे नहीं हटते।

बीकानेर पूर्व विधानसभा क्षेत्र विधायक सुश्री सिद्धि कुमारी ने कहा कि मूंधड़ा परिवार द्वारा अपनी मातृभूमि के लिए किया जा रहा यह कार्य अत्यंत पुण्यदाई है। जो कि बच्चों के भविष्य निर्माण के मद्देनजर महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह कार्य करने वाले मूंधड़ा परिवार और इसके प्रेरक पचीसिया को आने वाली पीढियों द्वारा याद किया जाएगा। बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास ने कहा कि शहर के विकास में भामाशाहों का योगदान सदैव वंदनीय रहा है। इसमें मूंधड़ा परिवार सबसे आगे है। इनके द्वारा 100 करोड़ से अधिक रुपए की लागत से मेडिसिन विंग का निर्माण करवाया गया है। वहीं कई स्कूल, कॉलेज और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास इन्हें विशेष स्थान दिलाता है। उन्होंने श्मेरी मातृभूमि मेरी जिम्मेदारी अभियान के बारे में बताया और कहा कि इसके क्रियान्वयन में भी मूंधड़ा परिवार और डीपी पचीसिया का बड़ा योगदान रहा है। श्री ब्रह्म गायत्री सेवा आश्रम के अधिष्ठाता पंडित रामेश्वरानंद ने कहा कि पर मातृ पितृ और आचार्य के साथ राष्ट्र देवो भव: के भाव जागृत करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मातृभूमि के लिए कुछ करने का भाव सबसे बड़ा होता है। सुमन छाजेड़ ने कहा कि मूंधड़ा परिवार द्वारा बनाया जाने वाला यह भवन केवल ईट और चूने का ढांचा नहीं है। यह बालिकाओं के सशक्त भविष्य निर्माण का माध्यम बनेगा। मोहन सुराणा ने कहा कि निस्वार्थ भाव से काम करते हुए इतनी बड़ी राशि व्यय करना महत्वपूर्ण है। इस दौरान बाबूलाल सांखला और अनंतवीर जैन ने भी विचार रखे। जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष द्वारका प्रसाद पचीसिया ने बताया कि छात्रावास में 8 शयन कक्ष, डाइनिंग हॉल, किचन मय स्टोर, स्टोर रूम, रिसेप्शन हॉल वार्डन रूम 2 ब्लॉक कॉमन टॉयलेट व बाथरूमए बरामदाए बिल्डिंग के बीच कोर्टयार्ड आदि बनाया जाएगा। उन्होंने बच्चों के लिए मेस भत्ता बढ़ाए जाने पर राज्य सरकार का आभार जताया। उन्होंने बताया कि मूंधड़ा परिवार द्वारा बनाया गया मेडिसिन विंग अगले माह प्रदेश को समर्पित कर दिया जाएगा। इससे पहले वैदिक मंत्रों के साथ पवन पचीसिया एवं श्रीमती संगीता पचीसिया ने भूमि पूजन किया। अतिथियों ने शिला पट्टिका का अनावरण किया। आनंद पारीक ने आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन रवींद्र हर्ष और ज्योति प्रकाश रंगा ने किया। कार्यक्रम में श्रीराम सिंगी और माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के संयुक्त निदेशक डॉ महेंद्र शर्मा अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

इस दौरान जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने स्कूल का अवलोकन किया तथा भूमि पूजन स्थल को देखते हुए नए बनने वाले भवन के ले आउट की जानकारी ली। वहीं भामाशाह श्रीकिशन मूंधड़ा अपने परिवारजनों सहित वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। जिला कलेक्टर ने मूंधड़ा से दूरभाष पर बात कर इस सहयोग के लिए आभार जताया और कहा कि उनका यह सहयोग बालिकाओं के लिए लाभदायक साबित होगा। इस दौरान जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल साथ थे।केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने भामाशाह श्रीकिशन मूंधड़ा से दूरभाष पर बात की और भवन निर्माण के सहयोग के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मूंधड़ा परिवार द्वारा बीकानेर के लिए दिया जा रहा सहयोग अविस्मरणीय और अनुकरणीय है। मूंधड़ा परिवार द्वारा नापासर के साथ बीकानेर में शिक्षाए चिकित्सा एवं स्वच्छता पर करोड़ों रुपए का दान दिया हैए इसे लंबे समय तक याद किया जाएगा। इस दौरान स्कूल प्राचार्य अल्ताफ अहमद, सुमन स्वामी, पीबीएम अधीक्षक डॉ सुरेंद्र वर्मा, शशि मोहन मूंधड़ा, सत्यनारायण राठी, कन्हैया लाल बोथरा, एड. राजेश लदरेचा, श्याम सुंदर सोनी ओम प्रकाश करनानी नरेश मित्तल वीरेंद्र किराडू के के मेहता मनीष सिपानी नरेश सुराणा, कुणाल कोचर अशोक गहलोतए डॉ जितेंद्र आचार्य विनोद गोयल, किशन सिंगी, डॉ.चंद्र शेखर श्रीमाली, शिवरतन पुरोहित, राजकुमार पचीसिया जगमोहन मोदी, रमेश हुरकट विजय मालू सत्यनारायण राठी, भंवर लाल चांडक अश्विनी पचीसिया टीकूराम चौधरी आनंद पेडीवाल किशन मूंधड़ा, रघुवीर झवर पिंटू राठी, रोहित पित्ती, पुनीत शर्मा संतोष आसोपा, देवकिशन यादव और पूनम राइका सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

सार-समाचार

नोखा के छात्रों ने निर्माणाधीन सीवरेज प्लांट का भ्रमण किया

नोखा । यहा स्थित राजकीय राठी उच्च माध्यमिक स्कूल के छात्रों ने राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के तहत चर्कड़ा साइट पर निर्माणाधीन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का भ्रमण किया। यह दौरा व्यावसायिक शिक्षा व सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम का हिस्सा था। भ्रमण के दौरान सहायक अभियंता मनीष बिश्नोई ने विद्यार्थियों को एसटीपी की कार्यप्रणाली सरल भाषा में समझाई। उन्होंने बताया कि शोधन के बाद का पानी खेती व उद्योगों में उपयोग किया जा सकता है और इसके लिए आसपास के किसानों के साथ एग्रीमेंट किए जा रहे हैं। संवेदक फर्म के महाप्रबंधक बाबूलाल सुथार ने प्लांट में लगाई जा रही मशीनरी की विशेषताएं और सुरक्षा प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। सामुदायिक विकास सलाहकार अशोक कुमार देवड़ा ने दैनिक जीवन में स्वच्छता व हर घर से सीवरेज कनेक्शन जोड़ने के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ठोस कचरा नाली में न डालें, नहीं तो पाइप जाम हो जाते हैं। कचरा हमेशा कूड़ा संग्रहण वाहन में डालें। दौरे में स्कूल के शिक्षक अमित बिश्नोई, प्रियंका सैनी, सहदेव चौधरी व खालिक अहमद भी शामिल रहे। छात्रों ने प्रश्न पूछकर प्लांट की कार्यप्रणाली समझी और साफ-सफाई तथा जल संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया।

बीकानेर के रवि पुरोहित अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित

बीकानेर बाबा खींवादास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीकर, मानविकी बहु अनुशासनिक साहित्य शोध संस्थान, रावतसर और चिंतन प्रकाशन कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 30 व 31 अक्टूबर को किया जाएगा। आयोजन सचिव डॉ. विजय कुमार पटीर ने बताया कि भूमण्डलीकृत वैश्वीकरण के संदर्भ में भारतीय संस्कृति के बाजारीकरण विषय पर आयोज्य सेमीनार में देश-विदेश के अनेक विद्वान और शोधार्थी भाग लेंगे। बीकानेर के लब्ध प्रतिष्ठ साहित्यकार, संपादक, आलोचक रवि पुरोहित विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे और उपभोक्तावादी दौर में समय, समाज और संस्कृति के बदलते मूल्यों पर वक्तव्य देंगे। पटीर ने बताया कि दो दिनों में केंद्रीय विषय अमन कला केंद्र द्वारा टाऊन हॉल मैं पार्श्व गायिका लता मंगेशकर के 96 वी व देव आनंद की 102 वी जयंती जन्मदिन के अवसर पर रंगारंग फिल्मी गीतों का प्रोग्राम गाता रहे मेरा दिल आयोजित किया गया संस्था के अध्यक्ष एम रफीक कादरी ने बताया की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अरविन्द मिढ़ा उपाध्यक्ष शहर कांग्रेस कमेटी थे अध्यक्षता एन डी रंगा अध्यक्ष सखा संगम ने की विशिष्ट अतिथि डॉ राकेश रावत समुद्र सिंह राठौड़ डॉ दिनेश शर्मा डॉ प्रवीण चतुर्वेदी मो सदीक चौहान डॉ योगेश साध डॉ भूपेंद्र तिवाड़ी डॉ हिमांशु दाधीच एम आर कुकरेजा सुशील यादव थे संस्था सचिव अनवर अजमेरी ने बताया कि बीकानेर के जाने माने गायक कलाकार एम रफीक कादरी ख्वाजा हसन कादरी सिराजुद्दीन खोखर अहमद हारून कादरी गोविन्द पुरोहित कैलाश खरखोदीया जावेद मिर्जा अनवर अजमेरी डॉ तपस्या चतुर्वेदी सुमन पवार गोपिका सोनी अशोक सोनी जसमतिया प्रदीप खत्री दीपक खत्री डॉ प्रवीण चतुर्वेदी डॉ राकेश रावत डॉ दिनेश शर्मा डॉ भूपेंद्र तिवाड़ी डॉ हिमांशु दाधीच डॉ योगेश साध एम आर कुकरेजा समुद्र सिंह राठौड़ आदि गायक कलाकारों ने लता मंगेशकर के गाये व देव आनंद पर फिल्माए गीत पेश किए कार्यक्रम का संचालन एम रफीक कादरी ने किया

रोटरी राज्यस्तरीय राजस्थानी भाषा-साहित्य पुरस्कार समारोह 12 को

बीकानेर। । रोटेरी क्लब बीकानेर द्वारा राजस्थानी भाषा और साहित्य से सबंधित साहित्यकारों को प्रतिवर्ष राज्यस्तरीय पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं। रोटरी क्लब अध्यक्ष दीनदयाल व्यास ने बताया कि प्रथम राजस्थानी पुरस्कार 51000/- (इक्यावन हजार) का "कला डूंगर कल्याणी राजस्थानी शिखर पुरस्कार" राजस्थानी और हिन्दी के प्रतिष्ठित साहित्यकार जानकीनारायण श्रीमाली को घोषित किया गया है। जानकीनारायण श्रीमाली राजस्थानी भाषा, साहित्य, संस्कृति और हिन्दी के प्रतिष्ठित विद्वान हैं। रोटरी क्लब प्रान्त 3053 के रोटेरियन एवं राजस्थानी सामरोह के संयोजक मनमोहन कल्याणी ने बताया कि राजस्थानी भाषा का रुपये 21000/- (इक्कीस हजार) "खींवराज मुन्नीलाल सोनी राजस्थानी गद्य पुरस्कार" चूरू के लेखक राजेन्द्र शर्मा 'मुसाफिर' की कहानी संग्रह "सत्त बोल्यां गत्त है" को दिया जायेगा।रुपये 11000/- (इग्यारह हजार) "ब्रज उर्मि अग्रवाल राजस्थानी पद्य पुरस्कार" डॉ. सुमन बिस्सा, जोधपुर की कविता की पुस्तक "अंतस रा सुर सांतरा" पुस्तक को घोषित हुआ है।

'बसों-ट्रकों पर लगी एक्सट्रा हैड लाइट हटाने की कार्रवाई करें'

- सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कई अहम निर्णय लिए
- कलेक्टर ने बीडीए को रोड़ कट बंद करने के निर्देश दिए

बीकानेर,(कासं)। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि की अध्यक्षता में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई।

बैठक में आईरैड डीआरएम महेश कुमार शर्मा ने बताया कि जयपुर रोड़ पर कट बंद करने से दुर्घटनाओं में कमी आई है। लेकिन बीकानेर में पिछले चार सालों में एक्सीडेंट की संख्या और मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिले में 2021, 22, 23 और 24 में दुर्घटनाओं की संख्या क्रमश: 435, 499, 569, 584 और मरने वालों की संख्या क्रमश: 338, 369, 360, 389 रही है। साथ ही बताया कि जिले में सर्वाधिक दुर्घटनाएं श्रीडूंगरगढ़ में और मरने वालों की संख्या भी सर्वाधिक श्रीडूगंरगढ़ में रही है। उसके बाद नोखा है। शाम 6-9 बजे के बीच सर्वाधिक दुर्घटनाएं होती है। जिला कलेक्टर ने बसों और ट्रकों पर लगी एक्सट्रा हैड लाइट को हटाने को लेकर परिवहन विभाग को कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर को आईरैड डीआरएम महेश कुमार शर्मा ने बताया कि पीबीएम अस्पताल के आगे रोड़ कट पर भी एक्सीडेंट हो रहे हैं। जिला कलेक्टर ने बीडीए को रोड़ कट बंद करने के निर्देश दिए। डिवाइडर पर कट छोड़ दिया जाएगा ताकि पैदल आने जाने वालों को कोई परेशनी ना हो। बैठक में जिला कलेक्टर ने डीटीओ और पुलिस अधिकारियों से कहा कि शहर में 20 साल से पुराने चल रहे ऑटो को सीज करने की कार्रवाई की जाए। लेकिन कार्रवाई शुरू करने से पहले अभियान चलाकर इसकी जानकारी दी जाए। डीटीओ भारती नथानी ने बताया कि शहर में कुल करीब 7 हजार ऑटो का रजिस्ट्रेशन है।

जिला कलेक्टर ने पीडब्लयूडी एनएच के अधिकारियों को निर्देशित किया कि एनएच-11 और एनएच-62 को कनेक्ट करने वाली जितनी भी सड़क हैं जो विभिन्न गांवों से आकर एनएच को कनेक्ट करती है। उन पर एनएच कनेक्ट होने से थोड़ा पहले स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं ताकि एक्सीडेंट में कमी आए। बीडीए की सीमा तक ये कार्य तत्काल शुरू किया जाए। जिला कलेक्टर ने डूंगर कॉलेज के आगे और सामने केवी स्कूल से पहले स्पीड ब्रेकर बनाने के निर्देश बीडीए को दिए। साथ ही मिलन ट्रेवल वाली रोड़ पर भी स्पीड ब्रेकर बनाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला कलेक्टर ने बीडीए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जयपुर रोड़ पर खाटूश्याम मंदिर और वैष्णो धाम मंदिर के पास पार्किंग स्थल चिन्हित कर पैड पार्किंग शुरू की जाए ताकि रोड़ पर वाहन खड़े ना रहे व एक्सीडेंट में और कमी आए। बैठक में ट्रैफिक इंस्पेक्टर राजेश निर्वाण ने बताया कि पुलिस को टू व्हीलर उठाने वाले वाहन का ठेका अप्रैल में ही खत्म हो गया था। जिला कलेक्टर ने नगर निगम को नया टेंडर कर जल्द वाहन उपलब्ध करवाने, साथ ही नो पार्किंग जोन के बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। ट्रैफिक इंस्पेक्टर ने बताया कि इंटरसेप्टर के द्वारा ओवरस्पीड को लेकर जून से लेकर अगस्त तक क्रमश 1622, 1785, 1809, 2274, 2109 और 2216 चालान किए गए।

बैठक में जिला कलेक्टर ने एनएचएआई के अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि जैसलमेर रोड़ पर सड़क किनारे विभिन्न जगहों पर हटी हुई रैलिंग 10 दिन में लगाना शुरू करें।

वचन,वाणी का हर पल सदुपयोग करें-गणिवर्य मेहुल प्रभ सागर

बीकानेर, । रांगड़ी चौक के सुगनजी महाराज के उपासरे में शुक्रवार को गणिवर्य मेहुल प्रभ सागर म.सा. ने चातुर्मासिक प्रवचन में कहा कि संसार का सारा खेल पाप व पुण्य का है। हमें पुण्य के उदय होने से सबसे उत्तम मन मिला है, जिसके सहारे हमें परमात्मा के गुणों, परमात्मा की वाणी के बारे में अनुप्रेक्षा कर सकते है, लेकिन जिन जीवों को मन नहीं मिला उन जीवों का पाप का उदय है।

उन्होंने कहा कि हमें पुण्य के उदय से बोलने की शक्ति मिली है, उसका सदुपयोग करना चाहिए। अगर हम इस जिव्हा के माध्यम से किसी की निंदा, चुगली करते है तो भावांतर में बोलने की शक्ति ही नहीं मिलेगी। इस जिव्हा के माध्यम से हमें सदैव सद विचार से कम, मीठा व धीरे बोलना चाहिए। आधिका धि क परमात्मा वाणी का श्रवण, चिंतन व मनन करते हुए धर्म कथा करनी चाहिए। इससे हमारे वचन पुण्य का उदय होगा। हमें अपने वचन,वाणी का हर पल सदुपयोग करना चाहिए तथा अधिकाधिक मौन रहना चाहिए।

उन्होंने श्रावक के एक प्रश्न का उतर देते हुए कहा कि अनुप्रेक्षा का अर्थ है किसी बात पर बार-बार गहन चिंतन, मनन करना, यानी किसी विचार या वस्तु को बार-बार ध्यान से देखना और उस पर सोचना। जैन धर्म में एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक प्रक्रिया है जिसमें अस्तित्ववादी विषयों पर चिंतन करके वैराग्य और आत्म नियंत्रण को बढ़ावा दिया जाता है। अनुप्रेक्षा को एक ध्यान

की विधि के रूप में भी देखा जाता है जहां मन को आध्यात्मिक और दार्शनिक अवधारणाओं पर केन्द्रित किया जाता है। जैन धर्म में, अनुप्रेक्षा को वैराग्य (भौतिक और सांसारिक बंधनों से मुक्ति) की भावना उत्पन्न करने वाला माना जाता है। जैन धर्म में बारह अनुप्रेक्षा (भावनाएं) है, जिनमें शरीर की अनित्यता, संसार की दुखमय प्रकृति आदि विषयों पर चिंतन किया जाता है, जिससे व्यक्ति निर्लिप्त होकर समभाव में रह सकें।

कौशल विकास पर विशेष व्याख्यान आयोजित

बीकानेर, तकनीकी विश्वविद्यालय में कौशल विकास पर विशेष व्याख्यान आयोजित हुआ।व्याख्यान के मुख्य अतिथि और विशेषज्ञ वक्ता दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अशोक कुमार नागावत थे।जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि इस अवसर पर कुलगुरु प्रोफेसर नागावत नें कहा कि कुशल मानव संसाधन किसी भी देश के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण होते हैं, और कौशल विकास इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करता है। कोर्स के साथ साथ स्किल का भी अर्जन करना जरूरी है तभी हम उद्देश्य प्राप्ति में सफल हो सकते हैं। विद्यार्थी के लिए सिर्फ़ शैक्षणिक उपलब्धियाँ ही काफ़ी नहीं हैं। असली चुनौती छात्रों को तेज़ी से बदलती दुनिया के लिए तैयार करने में है। यहीं पर कौशल विकास ज़रूरी हो जाता है। वर्तमान रोजगार परिदृश्य में अब नियोक्ता नियोक्ता अब डिग्रियों की तुलना में कौशल को प्राथमिकता देनें लगे हैं। भारत में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020, आधारभूत स्तर से ही कौशल विकास के एकीकरण पर ज़ोर देकर इस वैश्विक दृष्टिकोण को प्रतिध्वनित करती है। इस अवसर पर एसीबी प्राचार्य डॉ. ओपी जाखड़ भी उपस्थित थे। कुलगुरु प्रोफेसर अखिल रंजन गर्ग ने कहा कि कौशल विकास की शिक्षा प्रौद्योगिकी को अपनाने का एक मुख्य उद्देश्य उच्च-कुशल और वांछनीय पेशेवरों की एक पीढ़ी तैयार करना है। वैश्विक रोज़गार बाज़ार निरंतर बदल रहा है। नए क्षेत्रों के साथ भूमिकाएँ और जि़म्मेदारियाँ भी बदल रही हैं। भारत आने वाले कुछ दशकों में उभरते अवसरों को पूरा करने वाले प्रतिभाओं का वैश्विक केंद्र बनने की दिशा में अग्रणी है। इस माँग को पूरा करने का अर्थ है भविष्य के कार्यबल को तैयार करने के लिए एक दृढ़ प्रतिबद्धता के दौर की शुरुआत करना, जिसकी शुरुआत निश्चित रूप से विद्यार्थियों के कौशल विकास से होगी। वर्तमान शिक्षा प्रणाली विद्यार्थी के साथ-साथ शिक्षक की भूमिका और कौशल के मूल्यांकन की भी माँग करते हैं। यूसीईटी प्राचार्य डॉ परबंत सिंह ने कहा कि कौशल शिक्षा के मॉडल के माध्यम से युवाओं को उन्नत कौशल, ज्ञान और रोज़गारपरकता से सशक्त बनाना आवश्यक है।

रेलवे स्टेशन पर स्थायी ऑटो स्टैंड की मांग

बीकानेर, भारतीय राष्ट्रीय ऑटो ड्राइवर यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने आज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त किराडू के नेतृत्व में बीकानेर लोकसभा सांसद एवं केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से मुलाकात कर बीकानेर रेलवे स्टेशन पर स्थायी ऑटो स्टैंड की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को अवगत कराया कि बीकानेर रेलवे स्टेशन पर पहले छोटी लाइन की गाडियाँ चलती थीं, लेकिन अब प्लेटफार्मो की संख्या बढ़कर 6 हो चुकी है और ट्रेनों की आवाजाही में भी निरंतर वृद्धि हो रही है। वर्तमान में ऑटो चालकों को स्टेशन क्षेत्र में खड़े होने की स्पष्ट व्यवस्था न होने के कारण आए दिन आरपीएफ द्वारा कार्रवाई का सामना करना पड़ता है, जिससे ऑटो चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। किराडू ने कहा कि बीकानेर में आम जनता के लिए प्रमुख परिवहन का साधन ऑटो रिक्शा है, और हाल ही में बंदे भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों के शुरू होने से यात्री संख्या में भी इजाफा हुआ है। ऐसे में रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 6 के बाहर स्थायी ऑटो स्टैंड का निर्धारण जनहित में आवश्यक है, जिससे यात्रियों को सुविधा मिलेगी और ऑटो चालकों को भी सम्मानपूर्वक आजीविका चलाने का अवसर मिलेगा।उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में स्टेशन क्षेत्र में ठेके पर कार पार्किंग दी गई है, जबकि ऑटो रिक्शा चालकों के लिए कोई स्थायी स्थान निर्धारित नहीं किया गया है। मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने प्रतिनिधिमंडल की मांग को गंभीरता से लेते हुए पूर्ण आश्वासन दिया।

300 करोड़ के पट्टे असली या फर्जी, 90 दिन बीते, दस्तावेज नहीं दे पाया बीडीए

बीकानेर। तीन महीने पहले शहर में जमीन के फर्जीवाड़े का बड़ा खेल सामने आया था। 55 साल पुराने पट्टों की जिस रजिस्टर में एंट्री थी वो रजिस्टर ही साल भर पुराना है। ये सारे पट्टे यूआईटी से भी पहले के हैं जब सिटी इंप्रूवमेंट कमेटी शहर की जिम्मेदारी संभालती थी। 3 महीने पहले जब इसका खुलासा हुआ तो बीडीए ने एफआईआर कराई और साथ में पट्टों की जांच फोरेंसिक लैब से कराने के लिए कहा मगर जांच के लिए जो दस्तावेज चाहिए वो बीडीए 3 महीने में नहीं दे पाया। नतीजा, जांच आगे ही नहीं बढ़ी।

दरअसल 3 महीने पहले ही खुलासा हुआ था कि 55 साल पुराने पट्टों की एंट्री नए रजिस्टर में हुई है क्योंकि तब पट्टों की एंट्री रजिस्टर में होती थी। 1970 के सारे रजिस्टर जर्जर हो चुके हैं लेकिन जिस रजिस्टर में 40 पट्टे दर्ज किए गए उसके पन्ने और स्याही भी नई है। इसलिए मामले का खुलासा हुआ।

यहां तक कि दस्तखत के ऊपर दस्तखत किए गए। पट्टों में जो मिसल यानी दस्तावजों की जो चेन बताई गई वह बीडीए के दस्तावेजों से मैच नहीं हो रही। फर्जीवाड़े वाली इन प्लॉट की कीमत 300 करोड़ रुपए से ज्यादा आंकी गई थी। खुलासे के बाद ही कमेटी की सिफारिश पर बीडीए ने एफआईआर दर्ज करवाई है। साथ ही फोरेंसिक विभाग से इन पट्टों की जांच कराने के लिए पत्र लिखा गया मगर फोरेंसिक विभाग को फर्जी माने जाने वाले पट्टों के साथ ऑरिजनल पट्टे, पुराना रजिस्टर और नया रजिस्टर भी चाहिए था। 90 दिनों में बीडीए की ओर से ये सामग्री अब तक नहीं सौंपी गई। इस मामले की पड़ताल की तो सामने आया कि जिस बाबू के पास और जिन अधिकारियों के पास ये काम था वो प्रोसेस ही आगे नहीं कर पाए। नतीजा, जांच एक कदम भी आगे नहीं बढ़ी और बिना जांच के एफआईआर भी थाने में सिर्फ कॉलम बनकर रह गई। बीडीए की पकड़ में ये मामला अप्रैल में आया था। उसके बाद बीडीए ने कलेक्टर के सामने सारे तथ्य रखे। कलेक्टर ने बीडीए सचिव कुलराज मीणा, निगम उपायुक्त यशपाल आहूजा, एडीएम सिटी रमेश देव, प्रोग्रामर यतिन सोइन, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी अश्विनी कुमार आचार्य और अभिलेखागार विभाग के निदेशक नितिन गोयल की एक कमेटी बनाई। कमेटी से रजिस्टर, जमीन और पट्टों की सत्यता जांचने के लिए कहा।

नोखा में जीएसटी बचत उत्सव 2025 पर संवाद

नोखा । बीकानेर के वाणिज्य कर विभाग द्वारा नोखा में 'जीएसटी बचत उत्सव 2025' के तहत एक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जीएसटी से संबंधित नवीनतम सुधारों और कर दरों में कटौती के बारे में जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वाणिज्य कर विभाग बीकानेर के अतिरिक्त आयुक्त प्रशासन के.एल. जसोल थे। उन्होंने केंद्र सरकार और जीएसटी काउंसिल द्वारा किए गए जीएसटी 2.0 सुधारों और कर दरों में की गई कटौती की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान उपस्थित व्यापारी बंधुओं, कर सलाहकारों और लेखाकारों ने अपनी जिज्ञासाएं रखीं, जिनका जसोल ने समाधान किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में अतिरिक्त उपायुक्त प्रशासन के.एल. जसोल का एडवोकेट उत्तम लुणावत और उद्यमी मनोज लुणावत ने स्वागत किया। अन्य अधिकारियों, जिनमें उपायुक्त विक्रम सिंह राजावत और गोविंद चौहान, सहायक आयुक्त डॉ. रामलाल परिहार और रीको अध्यक्ष अनिल जैन शामिल थे, विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मान किया गया।

स्वागत भाषण देते हुए सहायक उपायुक्त डॉ. रामलाल परिहार ने सभी उपस्थित महानुभावों का अभिनंदन किया और 'बचत उत्सव 2025' के महत्व पर प्रकाश डाला।

उपायुक्त विक्रम सिंह राजावत ने बताया कि विभाग आम जनता तक पहुंचकर जीएसटी के संबंध में जागरूकता फैलाने का काम कर रहा है। उपायुक्त गोविंद चौहान ने भी जीएसटी सुधारों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

कार्यक्रम के अंत में रीको अध्यक्ष अनिल जैन और नोखा कर सलाहकार संघ के अध्यक्ष उत्तम लुणावत ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विभाग के कई अधिकारी, कर सलाहकार, व्यापारी और अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। आम लोगों ने इस कार्यक्रम को लाभकारी बताया और जीएसटी से संबंधित संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

शिक्षक संगठनात्मक गतिविधियों में तन्मयता से सांगठनिक परिवार को करें मजबूत : आचार्य

श्रीडूंगरगढ़, केवल ज्ञान से भरा हुआ ही पर्याप्त नही बल्कि सिखाने की कला में निपुण होने वाला शिक्षक ही प्रभावशाली बनता है इसलिए शिक्षा क्षेत्र के नवाचारों व नयी तकनीको से जुडे रहते हुए विद्यार्थियों को लाभान्वित करने का कार्य शिक्षक करे तो बालक का सर्वागीण विकास हो सकेगा। यह बात चन्द्र शेखर हर्ष पूर्व सहायक निदेशक स्कूल शिक्षा ने शनिवार को राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के जिला शैक्षिक अधिवेशन के समापन सत्र में रूपा देवी राज उच्च माध्यमिक विद्यालय श्रीडूंगरगढ़ में शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए कही। विशिष्ठ अतिथि दयाशंकर शर्मा ने कहा कि शिक्षक को हमेशा अपने कर्तव्यो के साथ साथ बालक के व्यक्तित्व को निखारने का कार्य कर अपनी प्रतिष्ठा को बनाना होगा। अतिरिक्त जिला मंत्री मोहम्मद फैसल ने शिक्षकों से अपने आचरण को अच्छा बनाये रखने का आव्हान करते हुए कहा कि उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संगठन एवं समाज के आगे बढ़ने के साथ साथ शिक्षको की समस्याओ का समाधान हो सकेगा।

जिलाध्यक्ष मोहनलाल भादू ने कहा कि सम्मेलनो के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र में हुए चिन्तन मनन से आये प्रस्तावो पर संगठनो के साथ सरकारी स्तर पर संवाद होने से शिक्षा के स्तर का विकास हो सकेगा। अध्यक्षता करते हुए संगठन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रवि आचार्य ने कहा कि संगठन सरकार और शिक्षकों के मध्य समन्वय करते हुए शिक्षकों के कर्तव्यो के साथ साथ अधिकारों की बात रखता है जिससे शिक्षकों की समस्याओं का समाधान भी होता है। उन्होने कहा कि संगठन के बिना शिक्षक परिवारविहीन होता है इसलिए प्रत्येक शिक्षक को सगठनात्मक गतिविधियों में तन्मयता से भाग लेकर सांगठनिक परिवार को मजबूत बनाने में अपनी भूमिका का सक्रियता से निर्वहन करना चाहिए। जिला संगठन मंत्री लेखराम गोदारा ने कहा कि शिक्षा के उद्देश्य को प्राप्त करवाकर समाज को दिशा प्रदान करवाने वाला ही शिक्षक कहलाने के योग्य है। जिलामंत्री नरेन्द्र आचार्य ने शिक्षकों से आव्हान किया कि सरकार की चाबी भरने के लिए संगठन को संशक्त करेगें तभी शिक्षकों के मान सम्मान की रक्षा हो सकेगी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि प्रदेश सयुक्त मंत्री सुरेश व्यास ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों को शिक्षण कार्य के साथ साथ डिजीटल माध्यम से भी कार्य करने में दक्षता हासिल करनी होगी तभी वह आज के युग अनुसार बालकों को भी तकनीकी शिक्षा से जोड कर आगे बढ़ाने में सहायक बन सकेगा।

जिलामंत्री नरेन्द्र आचार्य ने बताया कि तृतीय सत्र के खुले अधिवेशन में शिक्षा, शिक्षक शिक्षार्थी के